महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com Website : http://maharashtrahindiparishad.org

संपादक : प्रो.डॉ.अनिल काळे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,नारायणगाँव, जि. पुणे

वर्ष : 28
अंक : 30

कार्यकारी संपादक : डॉ. गजानन चव्हाण
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 32 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त), महाराष्ट्र
(दि. 09 एवं 10 जनवरी, 2026)

हमारा महाविद्यालय :

विवेकानंद कॉलेज की स्थापना सन् 1964 में हुई जो महाराष्ट्र के श्रेष्ठ गुणवत्ता प्राप्त महाविद्यालयों में से एक है। इस महाविद्यालय में हर साल 8000 से ज्यादा छात्र अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लिए प्रविष्ट होते हैं। बी.ए.,बी. कॉम.,बी.एस्सी, एम. कॉम, एम. एस्सी इन पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.सी.एस., बी. एस्सी. (बायोटेक्नॉलॉजी) तथा एम.बी.ए., बी. व्होक. इन प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों का भी समावेश है । यशवंतराव चव्हाण मुक्त विद्यापीठ की तरफ से बी.ए. बी. कॉम. और बी.एस्सी, एम.एस्सी और एम.बी.ए. जैसे पाठ्यक्रमों को भी छात्रों के लिए शुरू किया गया है। 13 सी. ओ. सी. (प्रमाणपत्र) पाठ्यक्रम शुरू है। M.B.A., B.Lib., M.Lib जैसी डिग्री लेने का अवसर भी कॉलेज प्रदान करता है। एमएससी और वाईसीएमओयू, नासिक से एम.बी.ए. भी यहाँ से किया जा सकता है।

नॅक, बैंगलोर द्वारा कॉलेज को 'A+' ग्रेड मान्यता प्राप्त है। कॉलेज को यूजीसी द्वारा दो बार उत्कृष्टता के लिए संभावित कॉलेज (सीपीई) के रूप में पहचाना गया है और जैव-तकनीकी विभाग, भारत सरकार द्वारा स्टार कॉलेज योजना में शामिल किया गया है। कॉलेज ने एनआईआरएफ, एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा आयोजित 2017 की रैंकिंग में शिवाजी विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान, महाराष्ट्र में 5 वां और भारत में 58 वां स्थान प्राप्त किया है। कॉलेज आईएसओ 9001: 2015 से प्रमाणित है।

हिंदी विभाग:

महाविद्यालय में हिंदी विभाग सन 1964 से कार्यरत है। शुरुआत से ही विभाग ने अनेक महत्त्वपूर्ण गतिविधियों में अपना योगदान देते हुए संस्था तथा महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। हर साल हमारे छात्रों को औसतन 1.5 लाख रुपये तक की अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी विषय लेकर पढ़नेवाले छात्रों को दी जानेवाली केंद्रीय हिंदी छात्रवृत्ति मंजूर होती है। शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा दी जानेवाली गुणवत्ता छात्रवत्ति भी हमारे छात्रों को कई बार प्राप्त हो चुकी है। हर साल हमारे छात्र केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा आयोजित हिंदी नवलेखक शिविरों के लिए चुने जाते हैं। वर्ष 2016 - 2017 में हमें भी इस शिविर के आयोजन का मौका मिला था, जिसमें विभिन्न अहिंदी भाषी राज्यों से 30 शिविरार्थियों ने हिस्सा लिया था। महाविद्यालय द्वारा हर साल प्रकाशित 'विवेक' नियतकालिक में हमारे छात्र जो लेखन करते हैं उसके लिए हर साल कई छात्र उत्कृष्ट लेखन के लिए पुरस्कार प्राप्त कर चुके है। सांस्कृतिक नगरी कोल्हापुर के हमारे इस महाविद्यालय में पढ़नेवाले छात्र ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित है फिर भी उनकी हिंदी भाषा के अध्ययन, लेखन, पठन तथा चिंतन के प्रति रुचि एवं गति देखकर हमें उससे अत्यधिक प्रेरणा मिलती है।

-० अधिवेशन हेतु पंजीकरण शुल्क ०-

पंजीकरण शुल्क रु. 1500/- निर्धारित किया गया है । (रु.1200/- संयोजक एवं रु.300/- परिषद सहयोग राशि), छात्र रु. 500/-

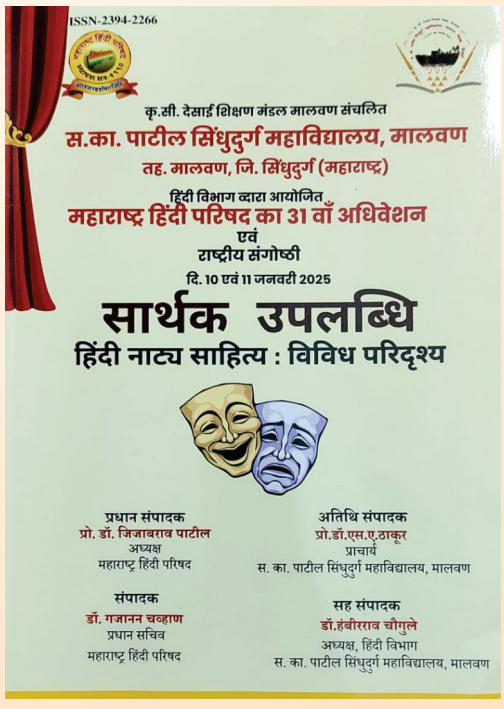

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●

स.का.पाटिल सिंधुदुर्ग महाविद्यालय मालवण में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 31 वें अधिवेशन का कार्यवृत्त

महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं कृ.सी.देसाई शिक्षण मंडल संचलित स.का.पाटिल सिंधुदुर्ग महाविद्यालय मालवण के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 एवं 11 जनवरी, 2025 को महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 31 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी नाट्य साहित्य: विविध परिदृश्य' विषय पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई । उद्घाटन समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.डॉ. मधु खराटे, संस्था कार्याध्यक्ष, मा. श्री. बालासाहेब पंतवालावलकर उपस्थित थे। बीजवक्ता के रूप में सोमय्या महाविद्यालय विद्याविहार स्वायत्त के पूर्व हिंदी विभाग प्रमुख एवं समीक्षक प्रो.डॉ.सतीश पांडे उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथि के रूप में छत्रपति संभाजीनगर के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव के कला संकाय के भूतपूर्व अधिष्ठाता डॉ. मधुकर खराटे, शिवाजी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील, महाराष्ट्र हिंदी परिषद के अध्यक्ष प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील, प्रधान सचिव डॉ. गजानन चव्हाण एवं संस्था के सचिव मा.गणेश कुशे आदि मान्यवर उपस्थित थे। इस अवसर पर परिषद की पत्रिका 'सार्थक उपलब्धि' का मान्यवरों के हाथों विमोचन हुआ। इसका सूत्र-संचालन डॉ. हंबीरराव चौगले ने किया। इस अधिदेशन मैं महाराष्ट्र हिंदी परिषद की ओर से प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील जी को 'सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया तथा उत्कृष्ट शोधालेख के लिए डॉ. जयसिंग कांबळे को सम्मानित किया गया।

प्रथम सत्र 'हिंदी नाट्य साहित्य सामाजिक परिदृश्य विषय पर संपन्न हुआ। इस सत्र के विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. डॉ.अनिल काळे और अध्यक्ष प्रो. डॉ. पंढरीनाथ पाटील 'शिवांश' तथा आभार डॉ. जयसिंग कांबळे ने प्रकट किए। द्वितीय सत्र 'हिंदी नाट्य साहित्य: राजनितिक परिदृश्य' विषय पर संपन्न हुआ। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. विट्ठलसिंह ढाकरे और अध्यक्षीय दायित्व प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे तथा आभार डॉ. आरिफ महात ने प्रकट किए। तृतीय सत्र दिनांक 11 जनवरी 2025 को 'हिंदी नाट्य साहित्य: नारी विषयक परिदृश्य विषय पर संपन्न हुआ। जिसमे विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो.डॉ.विद्या शिंदे और अध्यक्ष प्रो. डॉ. आवटे तथा आभार डॉ. आरिफ महात ने प्रकट किए। चतुर्थ सत्र 'हिंदी नाट्य साहित्य: दलित विषयक परिदृश्य विषय पर संपन्न हुआ। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अरुण घोगरे और अध्यक्ष प्रो.डॉ. बाबासाहेब कोकाटे ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. वसंत नंदगिरिकर ने किया।पंचम सत्र 'हिंदी नाट्य साहित्य अन्यान्य परिदृश्य' विषय पर संपन्न हुआ जिसके विषय प्रवर्तक डॉ.भाऊसाहेब नवले तथा सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. डॉ. एस. एम. चव्हाण और आभार डॉ.संतोष रायबोले ने व्यक्त किए। दोपहर 12.00 बजे महाराष्ट्र हिंदी परिषद के अध्यक्ष प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील की अध्यक्षता में परिषद का खुला अधिवेशन संपन्न हुआ। महाराष्ट्र हिंदी परिषद के प्रधान सचिव डॉ. गजानन चव्हाण ने गत सभा का इतिवृत प्रस्तुत किया तथा कोषाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे ने आय-व्यय तथा बजट प्रस्तुत किया। सभी सदस्यों ने अनुमोदन दिया। साथ ही खुले अधिवेशन में अनेक प्रस्तावों पर चर्चा हुई और प्रस्ताव पारित किए गए।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था सदस्य मा.श्री.विजय केनवडेकर तथा अध्यक्ष के रूप में मा. प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील थे। स्वागत एवं प्रास्ताविक प्राचार्य प्रो. डॉ. शिवराम ठाकुर ने किया। संगोष्ठी की आलेख समीक्षा समन्वयक तथा हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. हंबीरराव चौगले ने प्रस्तुत की। अतिथि परिचय एवं संचालन प्रा.प्रमोद खरात ने किया। आभार डॉ. सुमेधा नाईक ने व्यक्त किए।

इस अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए महाराष्ट्र के साथ अन्यान्य राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं हिंदी संस्थाओं से विद्वतजन, शोध छात्र एवं अध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। महाराष्ट्र हिंदी परिषद के नियामक मंडल के सभी सदस्य एवं पदाधिकारियों का इस संगोष्ठी के लिए किसी भी रूप में प्राप्त सहयोग स्मरणीय एवं आभार का हकदार रहा है। अधिवेशन एवं संयोजन संगोष्ठी के लिए डॉ. मधुकर खराटे से प्राप्त पचीस हजार राशि का आर्थिक सहयोग विशेष महत्त्वपूर्ण रहा है। संस्था के कार्याध्यक्ष, संस्था के सचिव, सदस्य श्री.विजय केनवडेकर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. शिवराम ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन के कारण ही यह अधिवेशन एवं संगोष्ठी संपन्न हो सकी सभी के प्रति धन्यवाद,,!!

डॉ. हंबीरराव चौगले
हिंदी विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक
राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

निवेदन हैं कि...

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा होगी ।

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

परिषद की Website : http://maharashtrahindiparishad.org

डॉ. मधु खराटे जी से सहयोग राशि –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन (ऑफलाइन) की सफलता हेतु डॉ. मधु खराटे (पूर्व अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद) द्वारा अपनी माता जी स्व. पार्वतीदेवी शंकरराव खराटे की स्मृति में **प्रतिवर्ष सहयोग राशि रु. 25,000/-** संयोजक महाविद्यालय को प्रदान की जाती है । डॉ. मधुकर खराटे जी के परिवार की दानशूरता के प्रति परिषद आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करती है ।

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

1. सारस्वत सम्मान –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन में परिषद की ओर से सारस्वत सम्मान दिया जाता है । यह सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रदान किया जाता है । इस पुरस्कार का चयन मा. अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं अधिवेशन के संयोजक की सम्मति से होता है । परिषद की ओर से सम्मानार्थी को रु. 5100/- की राशि और सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा ।

2. उत्कृष्ट शोधालेख पुरस्कार –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर 'सार्थक उपलब्धि' वार्षिकांक के लिए भेजे गए आलेखों में से 'उत्कृष्ट आलेख' का चयन कर परिषद की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाता है । परिषद की ओर से उत्कृष्ट आलेख हेतु रु. 2100/- की राशि और सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा ।

3.डॉ देवीदास बामणे 'संघर्ष' अनुवाद पुरस्कार

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के आजीवन सदस्यों द्वारा मराठी से हिंदी में अनूदित (सन् 2024-25 में प्रकाशित) अपनी पुस्तकों की दो प्रतियाँ 32 वें अधिवेशन के तिथियों के पूर्व 15 दिन पहले निम्न पते पर भेज दीजिए । डॉ देवीदास कल्लाप्पा बामणे 102 आंमत्रण सोसायटी, गोदावरी नगर, चिंचपाडा, पेण, जि. रायगड - 402107, मो. 9623863270

4. प्रो. डॉ. विद्या शिंदे मौलिक रचना पुरस्कार:

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के आजीवन सदस्यों द्वारा मौलिक रचना (सन् 2024-25 में प्रकाशित) अपनी पुस्तकों की दो प्रतियाँ 32 वें अधिवेशन के तिथियों के पूर्व 15 दिन पहले निम्न पते पर भेज दीजिए । प्रो. डॉ. विद्या शशिशेखर शिंदे,हिन्दी विभाग प्रमुख, आय. सी. एस. कालेज,खेड, खोडां भडगांव, ता. खेड, रत्नागिरी 415709, मोबा. 9421186776

* सभी पुरस्कार के लिए प्रतिभागीयों को अधिवेशन में पंजिकरण करना अनिवार्य है ।

-० कार्याध्यक्ष ०-

प्रो. डॉ. एस. पी. थोरात (प्र.प्राचार्य)

-० संयोजक ०-

डॉ. आरिफ महात

भ्रमणध्वनि : 9860857089

-० सह-संयोजक ०-

डॉ. दीपक तुपे

भ्रमणध्वनि : 8805282610

-: संगोष्ठी का विषय :-

हिंदी गीत और ग़ज़ल: विविध परिदृश्य

उपविषय :

1) हिंदी गीत और ग़ज़ल: सामाजिक परिदृश्य
2) हिंदी गीत और ग़ज़ल: राजनीतिक परिदृश्य
3) हिंदी गीत और ग़ज़ल: आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य
4) हिंदी गीत और ग़ज़ल: अन्यान्य परिदृश्य (दलित, नारी, पर्यावरण,किसान, आदिवासी, प्रेम-भाव आदि)
5) हिंदी गीत और ग़ज़ल में प्रतिरोध का स्वर
6) हिंदी साहित्य में नवगीत का विकास और प्रवृतियाँ
7) लोकगीत साहित्य और संस्कृति
8) हिंदी फिल्मों में गीत और ग़ज़ल का महत्त्व
9) हिंदी फिल्मी गीतकार एवं ग़ज़लकार
10) हिंदी गीत और ग़ज़ल में प्रगतिशील चेतना

-० सभा सूचना ०-

परिषद के नियामक मंडल की सभा कोल्हापुर में दि.08 जनवरी 2026 गुरुवार को सायं. 6.00 बजे आयोजित की गयी है। नियामक मंडल के सभी सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए।
- हिंदी के अधिक से अधिक प्राध्यापकों को परिषद का आजीवन सदस्य बनने हेतु प्रेरित करें।
- पुरस्कार स्वरूप परिषद के पास एकमुश्त ठोस धनराशि भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए।
- अधिवेशन तथा संगोष्ठी में सम्मिलित होकर सक्रिय योगदान दीजिए।

-: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

सभी शोध पत्रों को विवेक पीर रिविव्ह, ISSN नंबर-2581-8848, शिवाजी विश्वविद्यालय लिस्टेड शोध पत्रिका में प्रकाशित किया जायेगा।

- शोधालेख भेजने के संदर्भ में कुछ महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ इस प्रकार हैं -

1. शोधालेख 1500 से 2000 शब्दों में हो।
2. शोधालेख में संदर्भ अनिवार्य हैं।
3. शोधालेख यूनिकोड मंगल फॉंट में हो, जिसका फॉंट साईज 14 होना चाहिए। किसी और फॉंट में प्रेषित शोधालेख स्वीकार्य नहीं होंगे।
4. शोधालेख की Soft Copy Word File तथा PDF File परिषद के संयोजक डॉ. आरिफ महात हिंदी विभाग के ई-मेल depthindivck@gmail.com पर भेज दीजिए।
5. शोधालेख के साथ रु. 1500/- पंजीकरण शुल्क RTGS / NEFT / ANY APP द्वारा निम्न खाते में जमा करे -

   A/c Name : Vivekanand College, Kolhapur
   Bank Name : Punjab National Bank, Kolhapur
   A/c. No. : 08882010001650 IFSC Code : PUNB0088810
   Branch :Tarabai Park Dist : Kolhapur

6. ऑनलाईन पंजीकरण राशि भुगतान के बाद स्क्रीन शॉट संयोजक डॉ. आरिफ महात (9860857089) के व्हॉट्सएप पर अवश्य भेज दें। अन्यथा शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
7. यदि छात्र अपना शोधालेख प्रकाशित करना चाहते हैं तो रु. **500** / - पंजीकरण शुल्क के साथ रु. **500** / - की राशि अतिरिक्त भेज दें।
8. शोधालेख में अपने नाम के साथ Whatsapp मोबाईल नंबर तथा ई-मेल आयडी का उल्लेख अवश्य करें।
9. शोधालेख भेजने की अंतिम तिथि 28 दिसंबर 2025 होगी। इसके बाद कोई भी शोधालेख स्वीकार नहीं किया जाएगा।
10. पंजीकरण शुल्क अदा किये बिना कोई भी शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा। अतः पंजीकरण शुल्क अदा करने के उपरांत उसकी भुगतान रसीद संयोजक को प्रेषित करने का कष्ट करें।
11. जो प्रतिभागी आलेख भेजेंगे उन्हें ही पत्रिका का अंक दिया जाएगा।

-: अधिवेशन की स्थूल रुपरेखा :-

शुक्रवार दि. 09 जनवरी 2026

प्रातः	:	08.30 से 10.00	पंजीकरण तथा जलपान
		10.00 से 12.30	उद्घाटन
दोपहर	:	12.30 से 02.00	बीजभाषण
		02.00 से 03.00	भोजन
		03.00 से 04.30	प्रथम सत्र
		04.30 से 05.30	द्वितीय सत्र एवं तृतीय सत्र (समांतर)
सायं.	:	06.30 से 07.30	भोजन
		07.30 से 10.00	सांस्कृतिक समारोह

शनिवार दि. 10 जनवरी 2026

प्रातः	:	07.30 से 08.30	जलपान
		09.00 से 11.00	चतुर्थ सत्र एवं पंचम सत्र (समांतर)
		11.00 से 12.00	खुला अधिवेशन
दोपहर	:	12.00 से 01.00	समापन समारोह (सम्मान / लोकार्पण / पुरस्कार)
		01.00 से 02.00	भोजन

संयोजक की ओर से दि.09 जनवरी 2026 को प्रतिभागियों की निवास व्यवस्था की गई है।

महाराष्ट्र हिंदी परिषद की नूतन कार्यकारिणी (2025-2029)

❖ अध्यक्ष

◆ **प्रो. डॉ. अनिल काळे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, नारायणगाँव जि. पुणे,
भ्रमणध्वनि – 9860706853

❖ उपाध्यक्ष

◆ **प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाला, जि. सोलापुर
भ्रमणध्वनि – 9421023304

◆ **डॉ. सुरेश शेळके**
हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, औंढा नागनाथ, जि. हिंगोली
भ्रमणध्वनि – 9422875276

◆ **प्रो.डॉ.पंढरीनाथ पाटील 'शिवांश'**
हिंदी विभागाध्यक्ष, गंगामाई कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,नगाँव धुळे
भ्रमणध्वनि – 8208588900

❖ प्रधान सचिव

◆ **डॉ. गजानन चव्हाण**
हिंदी विभागाध्यक्ष, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ कोषाध्यक्ष

◆ **डॉ.हंबीरराव चौंगले**
हिंदी विभागाध्यक्ष, स. का. पाटील सिंधुदुर्ग महाविद्यालय,मालवण, जि. सिंधुदुर्ग
भ्रमणध्वनि – 9404388118

❖ संयुक्त सचिव

◆ **प्रो. डॉ. प्रतिभा येरेकार**
हिंदी विभागाध्यक्ष, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,धर्माबाद, जि. नांदेड
भ्रमणध्वनि – 8275110660

◆ **डॉ. देविदास बामणे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, भाऊसाहेब नेने महाविद्यालय, पेण (रायगड) भ्रमणध्वनि – 9623863270

◆ **प्रो. डॉ. गोविंद बुरसे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, शिवाजी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,कन्नड, जि. छत्रपति संभाजीनगर
भ्रमणध्वनि – 9423437599

❖ विश्वविद्यालय के सहसचिव

प्रो.डॉ.अनिल सुर्यवंशी (जलगाँव)
डॉ.भाउसाहेब नवले (पुणे)
प्रो.डॉ.अमोल पालकर (छ.संभाजीनगर)
डॉ.दीपक पवार (नांदेड)
डॉ.सुमेध नागदेवे (नागपुर)
डॉ.प्रकाश कांबळे (कोल्हापुर)
डॉ.मालोजी जगताप (सोलापुर)
डॉ.विद्या शिंदे (मुंबई)
डॉ.शालिनी वाटाणे (अमरावती)
प्रो.डॉ.चंद्रकांत मिसाळ (मुंबई SNDT)
डॉ.रवींद्रनाथ पाटील (गडचिरोली)

❖ पदेन मनोनीत सदस्य

डॉ.वसंत मोरे(कोल्हापुर)
प्रो.डॉ.चंद्रदेव कवडे(छ.संभाजीनगर)
प्रो.डॉ.पांडुरंग पाटील(कोल्हापुर)
डॉ.मधुकर खराटे(भुसावल)
डॉ.विजुलसिंह ठाकरे(लासलगाँव)
प्रो.डॉ.जिजाबराव पाटील(पाचोरा)

❖ मनोनीत सदस्य

प्रो.डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर(मुंबई)
प्रो.डॉ.जालिंदर इंगळे(मनमाड)
प्रो.डॉ.बाबासाहेब कोकाटे(बीड)
प्रो.डॉ.मिथिलेश अवस्थी(नागपुर)
प्रो.डॉ.अरुण घोगरे(परतवाडा)
प्रो.डॉ.सुनील बनसोडे(बारामती)

❖ प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :

डॉ. गजानन चव्हाण
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद द्वारा
ग्रेशिया अपार्टमेंट, A विंग, F1, पाटील वाडा
होटेल के पीछे, पुणे बायपास,
सांगली – 416 416
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ संपादक :

प्रो. डॉ. अनिल काळे
हिंदी विभागाध्यक्ष,
कला, वाणिज्य एवं विज्ञान
महाविद्यालय, नारायणगाँव, जि. पुणे
नारायणगाँव – 410504
भ्रमणध्वनि – 9860706853

संगोष्ठी स्थल पहुँचने के लिए

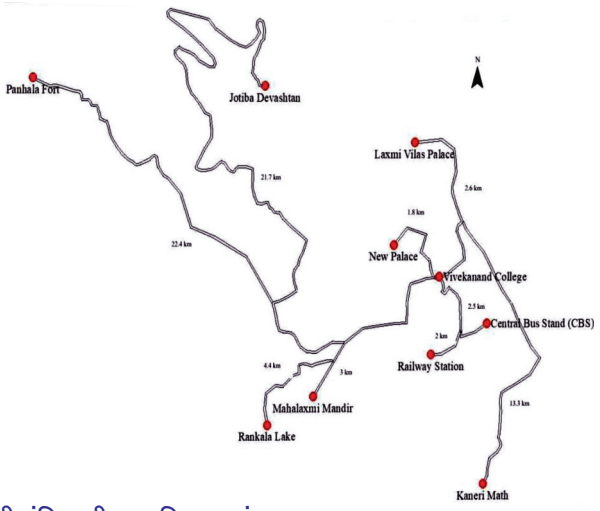

कोल्हापुर एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन के नजदीक कुछ प्रमुख पर्यटक स्थल हैं : रंकाला झील, महालक्ष्मी मंदिर, श्री छत्रपति शाहू संग्रहालय, ज्योतिबा मंदिर, पन्हाळा किला, कनेरी मठ, नरसिंहवाडी दत्त मंदिर, दाजीपुर वन्यजीव अभयारण्य, कोपेश्वर मंदिर जैसे अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं।